श्रीकृष्ण ने आगे कहा, "देखो, आपको अपने पति के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के साथ अवैध संबंध नहीं रखना चाहिए। ऐसे मामलों में आपको नरक में जाना पड़ सकता है! आपको केवल अपने पति से प्यार करना चाहिए। एक महिला, जो अपने पति की पूजा करती है और उसके प्रति वफादार रहती है, स्वर्ग में जगह लेती है और अन्य लोग उसकी पूजा करते हैं! पति चाहे लंगडा, लुला, मुर्ख कैसा भी हो उसे नही छोडना चाहिए बशर्ते कि वो पापी ना हो।"

गोपियाँ श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए व्याख्यान को धैर्यपूर्वक सुन रही थे। गोपियाँ अभी भी अपनी जगह पर चिपकी थी। वापस नहीं जा रही थी।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

एक कहानी है जो एक पतिव्रता महिला अपने पति के लिए कुल निष्ठा होने से पाई शक्ति को दर्शाती है। एक महिला थी जो पूरी तरह से अपने पति को समर्पित थी। उसके मन पति के बारे में कभी भी कोई नकारात्मक विचार नहीं आया था और पति के भाव से उसका मन किसी तीसरे व्यक्ति में आकर्षित भी नही हुआ था। उसने कभी अपने पति की अवज्ञा नहीं की, हमेशा पति इच्छा के अनुसार काम किया और उसे अपने जीवन में हमेशा उसे खुश करने की कोशिश की। वह एक बार किसी चीज को मुसल से कूट रही थी। जब वह अपने काम में व्यस्त थी, तब उसके पति ने एक गिलास पानी माँगा। उस समय मुसल हवा में था। बिना किसी देरी के अपने पति की सेवा करने के लिए वह तुरंत उठ गई और उसे एक गिलास पानी लाया। इस बीच, अपने पतिव्रता होने के कारण, मुसल हवा में बना रहा!

तो श्रीकृष्ण गोपियों को बताते हैं, "पतिव्रता महिलाओं की हर जगह पूजा की जाती है और उन्हे अंत में स्वर्ग मिलता है। इसलिए आप सब तुरंत वापस जाओ।"